सांघरे की गोद में | by Payal Agarwal

जहाँ जहाँ बैटे जिस मोड़ पे बैटे
खाटू में ऐसा लगता तेरी गोद में बैटे
जहाँ जहाँ बैटे हो हो हो

जिसे मैं कह सकूँ अपना वो तो खाटू में रहता है
याद जो आ जाये उसकी आँख से आँसू बहता है
जन्मो का नाता हम जोड़ के बैटे
खाटू में ऐसा लगता तेरी गोद में बैटे
जहाँ जहाँ बैटे हो हो हो

तुम्हारे मंदिर को बाबा कभी मंदिर नहीं समझा
अपने बाबा का घर समझा कभी भी दर नहीं समझा
अपना ही घर है ये सोच के बैटे
खाटू में ऐसा लगता तेरी गोद में बैटे
जहाँ जहाँ बैटे हो हो हो

तेरी खाटू की गलियों में ही ऐसा प्यार बरसता है
हो रहा जो इसमें पागल उसका जीवन संवरता है
लाखों ही पागल देखो मौज में बैटे
खाटू में ऐसा लगता तेरी गोद में बैटे
जहाँ जहाँ बैटे हो हो हो

जब भी हम वापस आते हैं ये गलियों छोड़ के तेरी
ऐसा लगता है बनवारी उतर आये गोद से तेरी
घर क्यों नहीं खाटू में मन मसोस के बैटे
खाटू में ऐसा लगता तेरी गोद में बैटे
जहाँ जहाँ बैटे हो हो हो

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%80-%e0%a4%97%e0%a5%8b%e0%a4%a6-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%82-by-payal-agarwal/>